शौर्य दिवसः सरदार पोस्ट के युद्ध में सीआरपीएफ के शूरवीरों का साहस एक प्रेरणास्रोत्र है

बल के शहीदों के सर्वोच्च सम्मान में परम्पराओं और मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने उन सभी बहादुरों की याद में श्रद्धांजलि देकर अपना शौर्य दिवस मनाया, जिन्होंने देश के शत्रुओं के विरूद्ध बहादुरी से लड़ाई लड़ी और मातृभूमि की प्रतिष्ठा और सम्मान की रक्षा करते हुए कर्तव्य की बलि वेदी पर सर्वोच्च बलिदान दिया।

डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन, महानिदेशक, सीआरपीएफ, के दिन की शुरूआत राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली में स्थित शहीद स्मारक पर माल्यार्पण करके हुई, जहां उन्होंने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुरों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। तदउपरांत महानिदेशक महोदय ने शौर्य सीआरपीएफ ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति के माध्यम से समारोह की शोभा बढ़ाई। सरदार पोस्ट की ऐतिहासिक लड़ाई, जिसकी स्कृति में यह शौर्य दिवस मनाया जाता है, वाली रणभूमि की पवित्र मिट्टी वाले कलश पर माल्यार्पण किया। 27 वीरता पदक प्राप्तकर्ताओं को सम्मानित करने के साथ–साथ उन्होंने बल के श्रेष्ठ कर्मियों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक भी प्रदान किया। श्री. किशन सिंह, जोकि सरदार पोस्ट की लड़ाई के एकमात्र जीवित योद्धा हैं, को समारोह में विनम्रतापूर्वक आमंत्रित किया गया तथा विधिवत स्वागत करते हुए सम्मानित किया गया। सरदार पोस्ट बैटल के उनके साहसिक उपाख्यानों ने बल के सभी रैंक और प्रोफाइल को साहस, दृढ़ संकल्प और धैर्य के साथ सभी बाधाओं से लड़ने के लिए प्रेरित किया। दिल्ली के छह अलग–अलग प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक स्थानों पर सीआरपीएफ के सेंट्रल ब्रास और महिला पाइप बैंड द्वारा आकर्षक प्रदर्शनों की छह दिवसीय नियमित श्रृंखला नियमित करके इस आयोजन की एक उत्कृष्ट भूमिका पहले ही तैयार कर ली गई थी, जिससे देश को सरदार पोस्ट की अद्वितीय लड़ाई के विषय में जानने का मौका मिला।

डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन, महानिदेशक सीआरपीएफ ने अपने संबोधन में राष्ट्र की रक्षा में अपने कर्तव्यों के प्रति सीआरपीएफ के जवानों की अटूट समर्पण की भावना की सराहना की और इस बात पर पूर्ण संतोष व्यक्त किया कि सीआरपीएफ आतंकवाद, उग्रवाद, नक्सलवाद, नागरिक अशांति, आपदाओं आदि से निपटने जैसी गतिशील और जटिल चुनौतियों से उत्पन्न होने वाली सबसे खतरनाक स्थितियों में अपनी वीरता की पंरपरा का पालन करना जारी रखे हुए

है। उन्होंने परिवार के सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त किया जो हर दिन अपने प्रियजनों की ड्यूटी के कारण उनसे दूर रहते हैं। बल के वीरों के अथाह बलिदान की प्रशंसा करते हुए उन्होंने इन बहादुरों द्वारा प्रदर्शित अनुकरणीय विरासत को बनाए रखने का आग्रह किया और अधिकारियों और जवानों से सम्मान, साहस और दृढ़ संकल्प के साथ राष्ट्र की सेवा जारी रखने का आह्वान किया।

09 अप्रैल, 1965 को गुजरात के रण ऑफ कच्छ में सरदार पोस्ट पर सीआरपीएफ की मात्र दो कंपनियों द्वारा प्रदर्शित असाधारण वीरता, अद्वितीय साहस, अनुकरणीय धैर्य और बलिदान के प्रति दृढ़ समर्पण की याद में हर वर्ष इस दिन को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसमें पाकिस्तानी सेना की एक नियमित पूरी बिग्रेड के द्वारा धोखे से किए गए हमले को विफल किया गया। इस भीषण लड़ाई में 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया गया जबकि 04 को जिंदा पकड़ लिया गया। इस दुःखद दिन में सीआरपीएफ के 06 जांबाजों ने भी वीरगति प्राप्त की। सेवा और निष्ठा के सिद्धांत को साकार करते हुए कर्तव्य की बलि वेदी पर 2249 सर्वोच्च बलिदान तथा 2469 वीरता पदकों के साथ सीआरपीएफ लगातार सरदार पोस्ट की लड़ाई के सम्मानित नायकों से प्रेरणा ले रहा है और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने के साथ–साथ देश की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।